आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 14.05.2023 से 20.05.2023)

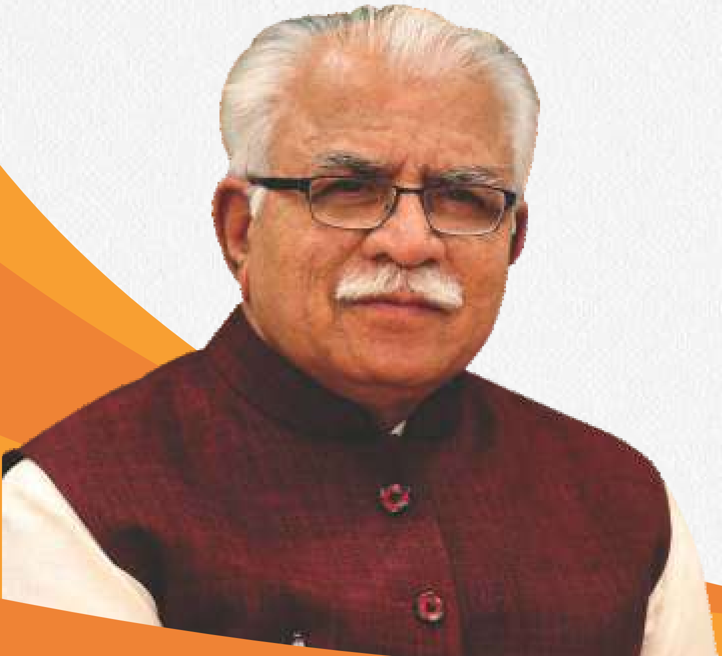

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

करनाल में आयोजित राधा जागरण कार्यक्रम

(दिनांक 15.05.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने करनाल के सेक्टर–12 में आयोजित राधा जागरण के अवसर पर बोलते हुए कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता का एक वाक्य भी यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो हमारा जीवन धन्य हो सकता है। श्रीमद्भगवद्गीता हमारे जीवन में परिवर्तन ला सकती है। गीता मानवता की सच्ची पथ प्रदर्शक है। गीता हमें कर्म का संदेश देती है। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने सर्वप्रथम स्वामी ज्ञाना नंद जी महाराज को उनके जन्मोत्सव पर बधाई दी और दीर्घायु होने की कामना की। इस संत समागम में भक्ति रस के साथ–साथ संतों का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद एक प्रकाश पुंज हैं, जो गीता के सार को जन–जन तक पहुंचाकर हम सभी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। गीता रूपी सूर्य के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार नष्ट करने के लिए, इससे उत्तम अध्ययन कोई नहीं हो सकता।

स्वामी ज्ञानानंद के जन्मोत्सव के साथ–साथ हरियाणा की 2 करोड़ 84 लाख जनसंख्या में से 15 मई को 94,558 लोगों का भी जन्मदिन है। उन्हें भी जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई। संत महापुरुष समाज सुधारक के रूप में काम करते हैं। स्वामी जी कुरीतियों, सामाजिक समस्याओं पर निरंतर कार्य कर रहे हैं। जेल के बंदियों तक गीता का संदेश पहुंचा रहे हैं। इसके साथ–साथ गौ माता की सेवा के लिए गौशालाएं चलाई जा रही हैं। गरीबों का निशुल्क पोलियो आप्रेशन, रक्तदान शिविर और अन्य सेवा के काम किए जा रहे हैं। देश ही नहीं विदेशों में भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। राधा जागरण में उमड़े श्रद्धालुओं को नशा मुक्ति का संकल्प भी दिलवाया गया। प्रांत में एक बार नशा मुक्ति सप्ताह मनाया जाए। इस नशा मुक्ति सप्ताह में सामाजिक संस्थाएं, धार्मिक संस्थाएं व समाज का हर वर्ग सहयोग करे।

गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को जमीन का हस्तांतरण

(दिनांक 16.05.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में नगर निगम रोहतक की 15.37 एकड़ भूमि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को 2 लाख रुपये प्रति वर्ष की दर से 33 वर्षों की लीज पर आवंटित करने हेतु नगर निगम रोहतक और गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के बीच समझौता हुआ और दस्तावेज एक्सचेंज किए गए। इस अवसर पर परिवहन मंत्री श्री मूल चंद शर्मा, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता और गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के पदेन सचिव डॉ. जयपाल शर्मा एवं सभा के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के प्रतिनिधिमंडल ने सभा की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस भूमि का उपयोग मौजूदा शैक्षणिक संस्थान के

साप्ताहिक सूचना पत्र

विस्तार के लिए किया जाएगा। सभा के पदेन सचिव डॉ. जयपाल शर्मा ने बताया कि 100 से शिक्षण संस्थाएं चला रही है और समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान कर रही है।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को वर्ष 2008 में पहरावर जमीन लीज पर दी गई थी। लेकिन उसके बाद नगर निगम रोहतक बना और यह जमीन निगम के अधीन आ गई। लीज राशि का भी भुगतान नहीं हुआ। इस बीच हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने जमीन का अधिग्रहण किया, विवाद बढ़ा और एचएसवीपी ने जमीन को रिलीज कर दिया। करनाल में आयोजित भगवान परशुराम महाकुंभ में इस जमीन को नए सिरे से गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को देने की घोषणा की। कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी देकर आज स्वीकृति पत्र एवं लीज दस्तावेज सभा को सौंपे गए हैं। सभा इस जमीन का उपयोग शिक्षण संस्थान बनाने के लिए करेगी। लीज में 5 साल का समय दिया गया है यदि 5 साल में भी संस्थान का निर्माण नहीं हो पाता तो और 5 साल का समय दिया जाएगा।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भगवान परशुराम महाकुंभ के दौरान की गई कई घोषणाओं में से अधिकांश पूरी हो गई हैं। इनमें भगवान परशुराम के नाम पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी करना, कैथल में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का नाम भगवान परशुराम के नाम पर करना और परशुराम जयंती पर राजपत्रित अवकाश की घोषणा करना शामिल है। इसके अलावा, पुजारी–पुरोहित कल्याण बोर्ड की स्थापना का काम पाइपलाइन में है, जल्द ही पूरा हो जाएगा। भ्रष्टाचार के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने घोषणा पत्र में ही यह साफ कर दिया था कि हम भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएंगे और उसी नीति पर चलते हुए हम भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं।

जनसंवाद कार्यक्रम अगला पड़ाव होगा महेन्द्रगढ़

(दिनांक 17.05.2023)

प्रभाव : हरियाणा की पूरी जनता मेरा परिवार है और अपने परिवार की चिंता करना व उनकी समस्याओं को हल करना मेरा परम कर्तव्य है। इस वाक्य को प्रदेश के मुखिया ने न सिर्फ माना है बल्कि पिछले साढ़े 8 सालों से चरितार्थ भी किया है। लोगों के बीच जाकर परिवार के मुखिया के तौर पर उनसे बातचीत करना और उनकी समस्याओं व शिकायतों को जानने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा शुरू किया गया जन संवाद कार्यक्रम अब लोगों के लिए एक नई आस बन चुका है। 2 अप्रैल से जन संवाद कार्यक्रमों की शुरुआत कर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा अब तक भिवानी, पलवल, कुरुक्षेत्र और सिरसा जिले को कवर किया जा चुका है। अब इस जन संवाद श्रृंखला का अगला पड़ाव महेंद्रगढ़ जिला में होगा और यहां माननीय मुख्यमंत्री जी लगभग 9–10 गांवों में जन संवाद कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे। विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहे हरियाणा में आज ग्रामीण अंचल में भी महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। इतना ही नहीं, अब महिलाएं समाज के लिए कुछ बेहतर करने हेतु राजनीति में भी अपना प्रतिनिधित्व कर रही हैं। गांवों में

साप्ताहिक सूचना पत्र

आयोजित किए जा रहे जन संवाद कार्यक्रमों में भी मातृत्व शक्ति की सक्रिय भागीदारिता नजर आ रही है।

जहां एक ओर महिला सरपंच गांवों की समस्याओं व मांगों को माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष रख रही हैं, वहीं दूसरी ओर गांव की महिलाएं व बेटियां भी सार्वजनिक मंच पर अपनी बातें रख रही हैं।

जन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जनता से सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे भी फीडबैक ले रहे हैं और जनता भी आयुष्मान भारत व चिरायु हरियाणा योजना, निरोगी हरियाणा, परिवार पहचान पत्र,स तथा राशन कार्ड व पेंशन अपने आप बनने और ई–फर्द जैसी अनेकों योजनाओं के बारे में मुख्यमंत्री को अपार समर्थन दे रही है।

जन संवाद कार्यक्रमों के लिए लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है कि ग्रामीण अब इंतजार करने लगे हैं कि उनके गांव में जन संवाद कार्यक्रम कब होगा।

जन संवाद कार्यक्रमों में लोग माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बातें रखने के अलावा लिखित में भी शिकायतें लेकर पहुंचते हैं। इन शिकायतों का पूरा लेखा–जोखा रखने तथा मॉनिटरिंग के लिए जन संवाद पोर्टल पर इन शिकायतों को अपलोड किया जा रहा है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

द्वारका एक्सप्रेस–वे का निरीक्षण

(दिनांक 18.05.2023)

प्रभाव : केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरूग्राम में खेडकी दौला टोल के समीप एक्सप्रेस वे के ट्रंपेट इंटरचेंज से नई दिल्ली के द्वारका तक निर्माणाधीन परियोजना का निरीक्षण किया। हरियाणा के गुरूग्राम से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक जल्द ही कनेक्टिविटी बेहतर होने जा रही है।

दिल्ली–गुरूग्राम के बीच पुराने एनएच के साथ ही अब द्वारका एक्सप्रेस–वे का नया विकल्प मिलेगा। केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने खेडकी दौला के समीप एक्सप्रेस वे पर बने इंटरचेंज का अवलोकन किया।

इसके उपरांत वे राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा द्वारका एक्सप्रेस–वे के निर्माण की प्रगति पर आधारित प्रदर्शनी में पहुंचे। इस एक्सप्रेस–वे के आरंभ होने से गुरूग्राम और दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी साथ ही इस परियोजना में सडक परिवहन की चार श्रेणी जोकि टनल, अंडरपास, फ्लाईओवर तथा फ्लाईओवर के ऊपर फ्लाई ओवर होंगे। हरियाणा वाले हिस्से में इस सडक की लंबाई 18.9 किलोमीटर तथा दिल्ली वाले क्षेत्र में 10.1 किलोमीटर है। इस मार्ग के बनने के बाद हरियाणा के विकास को एक नई दिशा मिलेगी।

साप्ताहिक सूचना पत्र

CMGGA के साथ बैठक

(दिनांक 20.05.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज सुशासन सहयोगियों के साथ बैठक कर उनका मार्गदर्शन करते हुऐ कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2023 को अंत्योदय आरोग्य वर्ष के रूप में मना रही है और सरकार का प्रयास अंत्योदय परिवारों को निरोगी व स्वस्थ रखने का है। इसलिए मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी धरातल पर इससे जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका अदा करें। नागिरकों को आरोग्य बनाने की दिशा में राज्य सरकार हर गांव में 2 एकड़ भूमि पर पार्क–सह–व्यायाम शालाएं बना रही है। अब तक 650 पार्क–सह–व्यायामशालाएं बनाई जा चुकी हैं। इसके अलावा, इस वर्ष के लिए 1000 और पार्क–सह–व्यायामशालाएं बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बाद में

यहीं पर वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे और इनमें डायटिशियन भी नियुक्त किए जाएंगे, जो ग्रामीणों को स्वस्थ एवं पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी देंगे।

उन्होंने कहा कि सीएमजीजीए इन पार्क–सह–व्यायामशालाओं को स्थापित करने, उनमें दी जाने वाली सुविधाएं, ग्रामीणों की उपस्थिति सहित अन्य गतिविधियों की मॉनिटरिंग करें ताकि धरातल पर तेजी से क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा, सरकार गांवों में इंडोर जिम तथा ओपन जिम स्थापित करने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नशामुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए सरकार प्रदेश में नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करेगी। इस कार्य में संत समाज का भी सहयोग लिया जाएगा और अधिकतर नशा मुक्ति केंद्रों को संत समाज द्वारा संचालित किया जाएगा।

उन्होंने सीएमजीजीए को निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेशभर में चल रहे सरकारी व निजी नशामुक्ति केंद्रों की

मॉनिटरिंग रखें।

सीएमजीजीए ने माननीय मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत चौथे चरण में चल रहे अंत्योदय मेलों में अधिक से अधिक अंत्योदय परिवारों को बुलाकर रोजगार दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों की सूची तैयार करें, जिनके सिबिल स्कोर खराब होने के कारण उन्हें बैंकों से ऋण मिलने में दिक्कत आ रही है। ऐसे लाभार्थियों के सिबिल स्कोर ठीक करवाने के लिए भी सरकार विचार कर रही है, ताकि जरूरतमंद परिवारों के आर्थिक उत्थान के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

सीएमजीजीए ने माननीय मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि पहले 2 महीनों के दौरान उनके निर्देशानुसार भूटान की तर्ज पर नागरिकों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए हैपीनेस इंडेक्स मापने के लिए कार्य योजना तैयार कर ली गई है। इस कार्य योजना के अनुसार 4 जिलों नामतरू अंबाला, फरीदाबाद, करनाल और हिसार में

पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर लोगों का सर्वे किया जाएगा। इस दौरान व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक खुशहाली व संतुष्टि स्तर को मापा जाएगा।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परिवार पहचान पत्र के डेटा से पता चला है कि प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग ऐसे हैं, जो अकेले रह रहे हैं। इन बुजुर्गों की देखभाल हेतू वरिष्ठ नागरिक सेवा आश्रम योजना बनाई है। इसके तहत सरकार द्वारा अकेले रह रहे बुजुर्गों की देखभाल सेवा आश्रमों में की जाएगी। सरकार ने जिला केंद्र पर सेवा आश्रम बनाने का लक्ष्य रखा है। सीएमजीजीए इस पुतिन कार्य में भी अपना योगदान देना सुनिश्चित करें।

बैठक में सीएमजीजीए ने बताया कि पहले 2 माह के दौरान उन्होंने फील्ड में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना, ई अधिगम योजना, मॉडल संस्कृति स्कूल, निरोगी हरियाणा, ग्राम दर्शन व नगर दर्शन पोर्टल तथा अमृत सरोवर योजनाओं का धरातल पर अध्ययन किया और इनके क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों व चुनौतियों को उपायुक्तों के साथ समन्वय स्थापित कर हल करने का काम किया।

विवाह शगुन योजना के लाभार्थियों से सीधा संवाद

(दिनांक 20.05.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी आज ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई दिल्ली से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लाभार्थियों से सीधा संवाद कर कहा कि राज्य सरकार बेटियों के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध हैं। बेटियां देश व समाज के निर्माण में बराबर की भूमिका निभाएंगी, तब ही हम 21वीं सदी के नये भारत का निर्माण कर पाएंगे। अपने इसी संकल्प को पूरा करने हेतू हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के रुप में गरीब व जरूरतमंद परिवारों को बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता देकर अपनी ओर से महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने नागरिकों से आह्वान किया कि समाज में फैली दहेज रूपी सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए अपना योगदान दें और यह संकल्प लें कि न तो दहेज लेंगे और न दहेज देंगे।

संवाद के दौरान इस योजना का लाभ लेने वाले परिवारों ने माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शगुन की राशि हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं है। किसी भी गरीब परिवार के लिए बेटी का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता है, आपने शगुन

साप्ताहिक सूचना पत्र

के तौर पर आर्थिक सहायता देकर हम जैसे कई परिवारों को बेटी की शादी की चिंता से मुक्त किया है। इस दौरान पानीपत से लाभार्थी रामपाल ने माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष शिकायत रखी कि उन्हें विवाह शगुन योजना के तहत पैसे नहीं मिले हैं, स्थानीय अधिकारी कहते हैं बैंक में राशि डाल दी गई और बैंक वाले कहते हैं कि राशि नहीं आई है। शिकायत पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने तुरंत एक्शन लेते हुऐ विभाग को 7 दिन में पैसे लाभार्थी को देने के निर्देश दिए। साथ ही, जिस भी अधिकारी या कर्मचारी की गलती हो, उसके खिलाफ एफआईआर कर जांच के भी निर्देश दिए।

लाभार्थियों से बात करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को इस चिंता से मुक्त करने के लिए अक्तूबर, 2015 से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना की शुरुआत की थी। पिछले साढ़े 8 सालों में 2 लाख 58 हजार कन्याओं के विवाह में शगुन के तौर पर 821 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न श्रेणियों में 31 हजार रुपये से लेकर 71 हजार रुपये तक की राशि विवाह शगुन योजना के तहत लाभार्थियों को दी जा रही है। यह शगुन राशि 1 लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले सभी बी.पी.एल. परिवारों की बेटियों की शादी पर दी जाती है। पहले यह लाभ केवल दो बेटियों के लिए दिया जाता था। लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने इसे परिवार की सब बेटियों को देने का प्रावधान किया है । इनके अलावा, उन सभी बेटियों की शादी पर भी शगुन दिया जाता है, जो इस स्कीम में कवर नहीं होते। उन्हें विवाह की तिथि से 30 दिनों के अंदर विवाह पंजीकरण करवाने पर 1100 रुपये व एक मिठाई का डिब्बा शगुन के रूप में दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि समाज में बेटी के जन्म से ही उसके विवाह की चिंता होने लगती थी, क्योंकि विवाह पर काफी

खर्च होता था। इस कारण बेटी को बोझ मानने जैसी मानसिकता भी बन गई थी। सरकार ने आपकी बेटी–हमारी बेटी योजना के अंतर्गत बेटी के जन्म पर ही उसके नाम 21,000 रुपये की राशि देने का प्रावधान किया है। अनुसूचित जाति तथा गरीब परिवारों को पहली बेटी के जन्म पर 21,000 रुपये तथा अन्य सभी परिवारों को दूसरी व तीसरी बेटी के जन्म पर 21,000 रुपये की राशि दी जाती है । यह राशि बेटी के नाम भारतीय जीवन बीमा निगम में एकमुश्त जमा करवाई जाती है। उसकी आयु 18 वर्ष होने पर उसे लगभग 1 लाख रुपये की राशि मिलेगी।